

बाबूजी के आदर्श विचार



जीवन की खुशियां

जीवन में सदा आगे बढ़ने की सोच रखना जरूरी है. लेकिन कई बार परिवार अथवा समाज में कुछ लोग आगे बढ़ने के लिए प्रयासरत रहते हैं, लेकिन वहीं कुछ पीछे खींचने के लिए तत्पर रहने के कारण ही परिवार अथवा समाज की प्रगति बाधित होती है. ऐसे लोगों को समय रहते पहचानना और सुधारने का प्रयास करना जरूरी होता है. कुछ नहीं करने वाले की आवाज घर तथा समाज दोनों ही स्थानों पर तेज होती है.

मुसीबत में करता हूं सदैव हनुमान चालीसा का पाठ

विदर्भ स्वाभिमान, 7 अक्टूबर नई दिल्ली- मुसीबत में मैं सदैव हनुमान चालीसा का पाठ करता हूं और इसका प्रभाव भी मुझे सदा दिखाई दिया है, इस आशय की बात 174 यात्रियों की जान बचाने वाले और पूरे विश्व में साहसी पायलट के रूप में अपना स्थान बनाने वाले भारतीय पायलट स्मित मछार ने किया. उनकी इस वीरता की सर्वत्र सराहना हो रही है. स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय बेटे की इस साहस और जान पर खेलकर भी 174 लोगों की जान बचाने की हिम्मत की सराहना की और उन्होंने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर बात की. प्रधानमंत्री मोदी को अपना हीरो मानने वाले स्मित ने बताया कि हमले के बाद विमान गोता खा रहा था. वह यह जानता है कि इतनी जिंदगियों को बचाने का यह आखिरी मौका है. कैबिन वहीं था और उसने कॉकपिट को खोल दिया. बचपन से ही भक्तिभाव तथा आदर्श संस्कारों से युक्त स्मित मछार ने बताया कि हनुमान चालीसा का पाठ वह हर मुसीबत के समय करते हैं और उन्होंने इस बड़ी विपदा से बचाने के लिए भी हनुमान चालीसा का पाठ किया. उनके मुताबिक वह जानते हैं कि भगवान ने ही हमें बचाया. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्मित की सराहना की और उनकी मां गीताबेन, पिता भूपेन्द्रभाई को भी प्रणाम किया. पूरा देश स्मित के लिए प्रार्थना करने की बात भी कही.

जलसंकट कर सकता है इस बार परेशान

कम बारिश का अमरावती से लेकर नई मुंबई तक असर, पानी का मोल पहचानने का आग्रह

विदर्भ स्वाभिमान, 7 अक्टूबर अमरावती/नवी मुंबई- राज्य में इस बार बारिश कम होने के कारण अमरावती सहित राज्य के कई क्षेत्रों में जलसंकट की संभावना बढ़ गई है. कुछ इलाकों में तो इसका दर्शन भी लोगों द्वारा किया जा रहा है. अमरावती शहर में यद्यपि जलसंकट की स्थिति नहीं है लेकिन इस बार अमरावती शहर की प्यास बुझाने वाले अप्पर वर्धा बांध में जलभंडार कम रहने से आगामी समय में जलसंकट और जलापूर्ति की व्यवस्था में भी बदलाव की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता है. मजीप्रा ने नागरिकों से पानी का मोल पहचानने और समुचित उपयोग

करने तथा इसे व्यर्थ नहीं जाने देने का आग्रह किया है. अमरावती जिले में भी आगामी दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों में जलसंकट की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है. फिलहाल एक दिन के अंतराल पर शहर में जलापूर्ति की जा रही है इसमें भी बदलाव की संभावना दिखाई दे रही है. लोगों को भी पानी के मोल को पहचानते हुए उसका समुचित उपयोग करने का आग्रह किया जा रहा है. उल्टे इलाके में पानी की सप्लाई का सिस्टम बढ़ती आबादी के हिसाब से कम होता जा रहा है. भले ही मॉनसून का मौसम अभी खत्म नहीं हुआ है, लेकिन इलाके की कई सोसाइटियों में पिछले कुछ दिनों से कम प्रेशर और



कम पानी की सप्लाई हो रही है.

आधी पानी की सप्लाई

पिछले दस दिनों से, कुछ सोसाइटियों में आम दिनों के मुकाबले लगभग आधी पानी की सप्लाई हो रही है, इसलिए लोगों को पानी कम इस्तेमाल करना पड़ रहा है. हालांकि दिन में दो बार पानी की सप्लाई होती है, लेकिन

पानी की कम मात्रा से लोग नाखुश हो रहे हैं.

बड़ी संख्या में हाउसिंग प्रोजेक्ट

नई मुंबई के उलवे इलाके में, जिसे हाल ही में डेवलप किया है, पिछले कुछ सालों में बड़ी संख्या में हाउसिंग प्रोजेक्ट आए हैं. नई बिल्डिंग, सोसाइटियों और **शेष 7 पर**

कोणार्क पर कब तक होगी मेहरबानी

विदर्भ स्वाभिमान, 7 अक्टूबर अमरावती- शहरवासियों की जिंदगी जहां बीमारियों के कारण खतरे में पड़ी है, वहीं कोणार्क पर मेहरबानों की संख्या मनपा में कैसे बढ़ रही है, काम नहीं करने के बाद भी उनका बिल कैसे पास हो रहा है, इस बारे में पार्षद धीरज हिंवासे, विनोद तानवैस ने आवाज उठाया है. करोड़ों रूपए सफाई के नाम पर खर्च करने के बाद भी शहर में ऐसा प्रभाग नहीं है, जहां कचरा नहीं दिखाई दे रहा है. दोनों ही पार्श्वों ने कंपनी को दिए गए डंड, वाहन, भुगतान और ठेका

कर्मियों की ईपीएफ, ईएसआईसी सहित अभी तक की गई शिकायतों पर क्या कार्रवाई की गई, इसका भी जवाब मांगा है.

गडगडेश्वर प्रभाग के साथ ही आसपास के विभिन्न प्रभागों में भी जिस तरह से गंदगी का सर्वत्र आलम है, उसके बाद भी करोड़ों रूपए कोणार्क को अदा करने पर भी हैरत जताई जा रही है. लोग तो खुलेआम यह बोलते देखे जा रहे हैं कि लक्ष्मीजी के प्रताप से ही यह हो रहा है. वर्ना डंड की बजाय रहम करने का कोई कारण नहीं है.

रियल होलसेल शोर्ट्स की रियल सेल

श्रद्धा मॉल

बंपर धमाका सेल

5000 की खरीदी पर 1000 की खरीदी की लागत ही 10% से 60% तक की छूट भी

■ 2 ग माला, तखतमल इस्टेट, अमरावती.
■ L4 बिजीलैंड, नांदगावपेट, अमरावती.

शुक्रवार | शनिवार | रविवार

लगभग आधी किमते

फ्रेश स्टॉक

डायरेक्ट फैक्टरी

सेल

आराधना®

होलसेल शॉपिंग मॉल

• वतारसी शाहू • डिझायनर साड्या • घाघरा ओढवी • सतवार सुट
• इस मटेरियल • रेडीमेड कोट • सुटिंग-शर्टिंग • टिबेज वेअर • किड्स वेअर

जवाहर रोड, अमरावती. ☎ 2574594

L-2, बिड्डीलैंड, नांदगावपेट, अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

संभावित जलसंकट से बचने अभी से करें उपाय

बढ़ता प्राकृतिक असंतुलन मानव जीवन के लिए खतरा बनता जा रहा है। मौसम में आ रहे बदलाव और इससे हर तरह की परेशानी केबाद भी स्वार्थी इंसान समझने की तैयारी में नहीं दिखाई दे रहा है। अमरावती जिले के साथ ही संभाग तथा राज्य के कई इलाकों में कम बारिश के कारण जहां किसानों को भारी नुकसान हुआ है, वहीं आगामी समय में तालाब, नदी-नाले तथा बांध में भी कम पानी होने के कारण इसका व्यापक असर पड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। जिला प्रशासन के साथ ही संभागीय प्रशासन को चाहिए कि समय रहते आगामी जलसंकट को ध्यान में रखते हुए अभी से निपटने का प्रयास किया जाए। इससे निश्चित तौर पर काफी राहत मिलेगी। प्यास लगने पर कुआं खोदने की बजाय समय रहते ही जलसंकट की स्थिति का समाधान करने का प्रयास करना चाहिए।

अमरावती संभाग में बारिश के लंबे खंड और लगातार बढ़ते तापमान के कारण जलसंकट की आशंका गहराने लगी है। अमरावती जिले में भूजल स्तर में चिंताजनक गिरावट दर्ज की गई है। तेजी से जलस्तर सीमेंटीकरण के कारण घट रहा है। बावजूद इसके कोई गंभीरता नहीं दिखाई दे रही है। अमरावती जिले के वरूड, दर्यापर और चांदूर बाजार तहसीलों को भूजल दोहन की दृष्टि से अतिदोहन श्रेणी में रखा गया है, जबकि मोर्शी और अचलपुर को गंभीर श्रेणी में बताया गया है।

अमरावती शहर और बडनेरा के साथ मेलघाट के धारणी तथा चिखलदरा क्षेत्रों में भी जलस्रोतों के तेजी से घटने की खबरें सामने आई हैं। प्रशासन ने आगामी अवधि के लिए पानी की उपलब्धता सनिश्चित करने हेतु टेंचाई कार्ययोजना तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि अमरावती जिला प्रशासन ने जलसंकट प्रभावित गांवों में आवश्यकता पड़ने पर निजी टैंकरों से पेयजल आपूर्ति के लिए निविदा जारी की है। अकोला में पहले ही जलसंकट वाली स्थिति है। इस बार कम बारिश से यह और गंभीर होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। संभाग के अन्य जिलों में भी स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। वाशिम में जलाशयों में लगभग 39 प्रतिशत जलभंडार रहने की जानकारी सामने आई है और पानी के अनधिकृत उपसा पर रोक के आदेश दिए गए हैं। यवतमाल में भी सूखे की स्थिति को देखते हुए चारे के बाहर परिवहन पर प्रतिबंध लगाया गया है। जलसंकट केवल पेयजल का सवाल नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर खेती, पशुधन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इसलिए जलस्रोतों का संरक्षण, भूजल पुनर्भरण, नाला-गहरीकरण और उपलब्ध पानी का नियोजन अब तत्काल प्राथमिकता बनना आवश्यक है।

पितरों का आशिर्वाद देता है खुशहाली

भारत के लोग महान हैं, हमारी संस्कृति महान है, जहां हम हमारे पितरों को भी सम्मान, श्रद्धा के साथ ही उनकी याद में ब्राह्मण भोजन कराते हुए आशिर्वाद प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। यह भी उतनी ही महत्वपूर्ण बात है कि जब तक हम धर्म, संस्कार और संस्कृति के मुताबिक काम करते हैं। फिलहाल पितृपक्ष शुरू है, ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों द्वारा पितरों की याद में धार्मिक कार्यक्रम किया जाता है। कहते हैं कि दुनिया का संचालन कोई ऐसी ताकत करती है, जिसके बिना हमारी ताकत शून्य होती है। उसे हम चाहे प्रकृति कहें, परमात्मा कहें, श्रद्धा कहें अथवा विश्वास कहें। लेकिन इस ताकत के अभाव में मानव जीवन हर तरह से मेहरूम हो जाता है।

भारतीय संस्कृति में पितरों का स्थान अत्यंत श्रद्धा और सम्मान का है। मान्यता है कि हमारे पूर्वज केवल बीते समय की स्मृति नहीं, बल्कि परिवार की परंपरा, संस्कार और आशीर्वाद का आधार हैं। उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना हमारी नैतिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारी भी है।

पितृपक्ष हमें अपने पूर्वजों को याद करने, उनके योगदान को नमन करने और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर देता है। तर्पण, श्राद्ध और दान जैसे कर्मों का उद्देश्य केवल धार्मिक परंपरा निभाना नहीं, बल्कि आने वाली



विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

पीढ़ियों को यह संदेश देना भी है कि परिवार की जड़ें कभी नहीं भूलनी चाहिए। कहा जाता है कि जिस घर में बुजुर्गों का सम्मान, संस्कारों का पालन और जरूरतमंदों की सेवा होती है, वहां सुख-शांति का वातावरण बना रहता है। पितरों का सच्चा सम्मान केवल कर्मकांड तक सीमित नहीं, बल्कि उनके अच्छे विचारों और जीवन मूल्यों को अपनाने में है। परिवार में प्रेम, एकता, सद्भाव और संस्कार बनाए रखना ही पितरों के प्रति सबसे बड़ी श्रद्धांजलि है। उनके आशीर्वाद की भावना मन में रखकर जब हम सत्य, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलते हैं, तो जीवन में सकारात्मकता और खुशहाली का मार्ग प्रशस्त होता है। पितरों का स्मरण श्रद्धा से करें, उनके संस्कारों को जीवन में उतारें यही सच्चे अर्थों में उनके आशीर्वाद को प्राप्त करने का मार्ग है।

पितृ दोष के लक्षण-विवाह तय होकर टूट जाना या उम्र निकल जाने पर भी विवाह न होना। संतान का न होना या होने के बाद जीवित न रहना या स्वास्थ्य खराब रहना। लगातार कर्ज में डूबे रहना और धन का संचय न होना, घर में बिना बात के झगड़े होना

और अशांति रहना। सपने में बार-बार मरे हुए पूर्वज दिखना, श्मशान या अर्थी दिखना। घर के सदस्यों का हमेशा बीमार रहना भी पितृ दोष का लक्षण माना जाता है।

पितृ दोष के उपाय

तर्पण और पिंडदान: पितृ पक्ष या अमावस्या के दिन दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके पूर्वजों के नाम से जल (तर्पण) और पिंडदान करें।

मंत्र जाप: प्रतिदिन 'ॐ पितृभ्यः नमः' या पितृ गायत्री मंत्र का जप करें।

दान-पुण्य: अमावस्या के दिन ब्रह्मणों, गरीबों या जरूरतमंदों को भोजन और वस्त्र दान करें।

पीपल की सेवा: रोज पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाएं और शाम को सरसों के तेल का दीपक जलाएं।

जीव-सेवा: गाय को पहली रोटी, कुत्तों और पक्षियों को भोजन दें। इसके अलावा पितरों की शांति के लिए धार्मिक अनुष्ठान के तहत गाय, त्यंबकेश्वर या हरिद्वार जैसे पवित्र स्थलों पर जाकर पितृ शांति की पूजा कराया जाता है। सनातन धर्म में केवल परिवार नहीं बल्कि सभी जीवों के कल्याण का विचार किया गया है। यही कारण है कि सनातन धर्म महान है।

दिलदार, समझदार निर्मल व्यक्तित्व है

आशीष ठोंबरे के जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं

कुछ लोगों का व्यक्तित्व गजब का होता है। उनका स्वभाव, निर्मल मन और स्पष्टता निश्चित ही प्रभावित करती है। दुनिया में कोई भी परिपूर्ण नहीं है लेकिन इतना तय है कि कई बार भावनाओं को समझने में कमी के कारण व्यक्ति का व्यक्तित्व प्रभावित होता है। यवतमाल जिले के घाटंजी तहसील के पारवा निवासी आशीष अरविंदराव ठोंबरे पीजी हैं लेकिन बहुगुणी व्यक्तित्व के रूप में संगीत, एंकरिंग के साथ ही कविता भी बेहतरीन करते हैं। बोलने में स्पष्टता तथा विद्वता में कहीं अतिआत्मविश्वास दिखाई देता है लेकिन इसके साथ ही मन के निर्मल रहने से किसी के भी दिल में जल्दी जगह बना लेते हैं।

उनका मानना है कि कला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की भावनाओं, संस्कारों और संवेदनाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। इसी भावना को अपने व्यक्तित्व और कार्यों में साकार करने वाले उम्दा व्यक्तित्व के धनी हैं आशीष ठोंबरे। पुत्रवत स्वभाव के कारण जल्दी ही जहां उन्होंने दिल में जगह बनाई, वहीं दूसरी ओर स्पष्टता की खूबी के कारण कई बार दोस्त कम और नाराज लोग अधिक बन जाते हैं। लेकिन



विदर्भ स्वाभिमान



आशीष इसे महत्व नहीं देते हैं। अपनी बहआयामी प्रतिभा, रचनात्मक सोच और कला के प्रति समर्पण के कारण उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई है। पारवा जैसे छोटे से गांव में रहने के बाद भी जिला परिषद शिक्षकों में उनकी लोकप्रियता भरपूर है। आशीष ठोंबरे की विशेषता यह है कि वे कला को केवल मंच तक सीमित नहीं रखते, बल्कि उसे समाज और लोगों से जोड़ने का प्रयास करते हैं। विभिन्न कलात्मक क्षेत्रों के प्रति उनकी रूचि और सक्रियता उनकी

बहआयामी प्रतिभा को दर्शाती है। सहज स्वभाव, मिलनसार व्यक्तित्व और सकारात्मक सोच उनके व्यक्तित्व को और प्रभावी बनाती है। शिक्षा विशेषज्ञ के रूप में उनका चयन हुआ है। वे कहते हैं कि जीवन में सदा सकारात्मक सोच के साथ खुश रहने और औरों को भी खुश रखने का प्रयास करना चाहिए। कला के क्षेत्र में निरंतर कष्ट नया करने की चाह, सीखने की प्रवृत्ति और अपनी प्रतिभा को बेहतर बनाने का प्रयास उन्हें दूसरों से अलग पहचान देता है। वे अपनी रचनात्मकता के माध्यम से लोगों के बीच आनंद, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने में विश्वास रखते हैं। मिलनसार स्वभाव रहने से कहीं भी जल्दी घुल-मिल जाते हैं, साथ ही थोड़ा सम्मान, अपनापन मिलने पर भावुक हो जाते हैं। आज के समय में जब कला और संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता है, ऐसे व्यक्तित्वों का योगदान महत्वपूर्ण हो जाता है। आशीष ठोंबरे का 10 अक्तूबर को जन्मदिन है, उन्हें शुभकामनाएं, अंत में

युवा सोच, मजबूत इरादे और सेवा का है मान, आप जैसे से ही बढ़ता है समाज का सम्मान, हर दिन नई ऊँचाइयों को छूते रहे आप, जन्मदिन पर यही है हमारी शुभकामना खास

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक, संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय, छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती में प्रकाशित किया गया है। मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189. अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र, साहित्य, लेखकों, कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं। इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। संपादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सी.वी.णी सुभाषचंद्र दुबे. Email-vidarbhaswabhiman@gmail.com. www.vidrabhswabhiman.com, rni. no MAHHIN/2010/ 43881

मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है-डॉ.गोविंद कासट

विदर्भ स्वाभिमान, 7 अक्तूबर

अमरावती- समाज में हर व्यक्ति के साथ विनम्रता वाला व्यवहार, गरीब और जरूरतमंद की अपने स्तर पर सेवा भी किसी पुण्य से कम नहीं है। मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा और भक्ति कही जा सकती है। जितना संभव हो हर व्यक्ति को अपनी क्षमता और अपने स्तर पर पीड़ितों की मदद करने के साथ ही जीव दया का भाव रखना चाहिए। इससे जीवन में अपार खुशी और संतोष की अनुभूति होती

है। इस आशय का प्रतिपादन शहर ही नहीं तो जिले में सफारी वाले गाडगेबाबा के नाम से परिचित डॉ. गोविंद कासट ने किया।

पिछले कई वर्षों से डॉ.गोविंद कासट मित्र मंडल के नाम से सामाजिक सेवा, दिव्यांग सेवा में लगातार लगे रहने वाले 80 वर्षीय युवा डॉ. कासट की टीम के हर सदस्यों में उनके जैसा ही सेवा भाव है। सभी अपने स्तर पर उनके आदेश का इंतजार करते हैं। तपोवन



में नववर्ष 1 जनवरी को तड़के होने वाला कार्यक्रम जहां किसी चमत्कार से कम नहीं है, वहीं अभी तक हजारों गरीब और जरूरतमंद

महिलाओं को सिलाई मशीन के माध्यम से स्वयंरोजगार करने और आत्मनिर्भर बनाने का काम उन्होंने किया है। बातचीत में जहां उनकी विद्वता में विनम्रता झलकती है, वहीं दूसरी ओर उम्र उन पर नहीं बल्कि उम्र पर वे भारी पड़ रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही तबियत अच्छी नहीं रहने से अस्पताल में भर्ती रहते समय जिस तरह से उनसे मिलने के लिए हर वर्ग के क्षेत्रों का तांता लगा, निश्चित तौर पर मानवता की सेवा के उनके यज्ञ का ही इसे फल कहना गलत नहीं होगा। किसी

गरीब बेटी अथवा छात्र की मदद की बात हो, महिला की मदद की बात हो, दिव्यांगों की मदद की बात हो, वृद्धाश्रम में बुजुर्ग माता-पिता की सेवा हो, माता-पिता के भक्त डॉ. कासट सदैव आगे रहते हैं। उनके एक आदेश का इंतजार उनकी टीम का हर सदस्य करता है और सेवा का भावना में उनके आदेश पर सेवा कर स्वयं को गौरवान्वित मानता है। उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की मंगलमय शुभकामनाएं।

मतदाता सूची विवाद पर विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली- देश की राजधानी इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च किया। विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। पोलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। चुनाव आयोग और केंद्र ने विपक्ष के आरोपों को खारिज किया है।

देश की डिजिटल स्वास्थ्य सेवा ने बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली- सरकारी टेलीमैडिसिन सेवा ई-संजीवनी पर 50 करोड़ से अधिक टेली-कंसल्टेशन पूरे हो गए हैं। सरकार के अनुसार इससे देशभर में लोगों को डिजिटल माध्यम से सस्ती और सलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिली है।

नौसेना को मिलेगा नया फ्लीट सपोर्ट शिप

नई दिल्ली- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम में फ्लीट सपोर्ट शिप-1 का शुभारंभ किया और फ्लीट सपोर्ट शिप-5 की कोल रखी। उन्होंने कहा कि मजबूत समुद्री बांधा देश की रक्षा क्षमता को और सशक्त करेगा।

कूनों में चीता परिवार में बढ़ोतरी

भोपाल- मध्यप्रदेश के कूनों राष्ट्रीय उद्यान में पांच चीता शावकों के जन्म के साथ भारत में चीतों की संख्या 60 हो गई है। इनमें 41 चीते भारत में ही जन्मे हैं। केन्द्रीय वन व पर्यावरण मंत्रालय द्वारा चीतों की संख्या बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है। इसके बेहतरीन नतीजे भी मिल रहे हैं।

भारत-स्विट्जरलैंड संबंधों को नई गति

दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पारमेलिन के बीच बातचीत के बाद दोनों देशों ने पांच समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इनमें प्रवासन, युवा पेशेवरों और परिवहन क्षेत्र में सहयोग शामिल है।

कुछ चीजें सिर्फ खबर नहीं होती...

वो हमारे जीवन का हिस्सा होती हैं...

हर दिवाली, सिर्फ घर ही नहीं, रिश्ते भी रोशन होते हैं... और इन रोशनी के बीच, विदर्भ स्वाभिमान का दीपावली विशेषांक, हमारे घर की एक अनोखी परंपरा है...

दादा की यादें, पिता का अनुभव, बच्चों के सपने और घर की बातें... सब कुछ एक साथ समेटे होता है विदर्भ स्वाभिमान का दीपावली विशेषांक।

हर साल दिवाली पर हम सब एक साथ बैठकर विदर्भ स्वाभिमान का विशेषांक पढ़ते हैं... इसमें सिर्फ खबरें नहीं, हमारे विदर्भ की धड़कन होती है... विज्ञान की मेहनत, युवाओं के सपने, हमारे शहरों की प्रगति, हमारे व्यापार की कहानी, हमारी संस्कृति, हमारा इतिहास... यही तो है हमारा विदर्भ, यही है हमारी पहचान...

हमारे विशेषांक की खासियत

- विदर्भ की विशेष कहानियाँ
- सफल लोगों के प्रेरणादायक अनुभव
- कृषि, उद्योग और व्यापार के अवसर
- शिक्षा, रोजगार और युवाओं की दिशा
- हमारे शहरों का विकास
- संस्कृति, परंपरा और त्योहारों की रोशनी
- स्वास्थ्य, समाज और जागरूकता
- परिवार के लिए उपयोगी जानकारी
- सुंदर लेख, झोटे फीचर और विशेष सामग्री

विदर्भ स्वाभिमान

दीपावली विशेषांक 2026

— हमारे विदर्भ की खुशियों, संघर्षों और संभावनाओं का उत्सव —

इस दिवाली, अपने व्यवसाय का संदेश हजारों परिवारों तक पहुंचाएँ... विदर्भ के हर घर तक...

विज्ञापन के लिए संपर्क करें



9423426199 / 8855019189



मिशनल पाठक वर्ग तक सीधी पहुंच



आपके व्यवसाय की मजबूत पहचान



विश्वसनीय और प्रभावशाली माध्यम

वेंकटेश्वर ने अपनी चिंता पद्मावती को जब बताया

गतांक से जारी- इसके लिए विद्वज्जन मुझे क्षमा करें. भारती को जिह्वा पर धारण के नारिसंह जिस रूप में मुझसे कहलवाते हैं उस रूप में मैं लिखती भागवत और विद्वान मेरी बाल भाषा को बिना गलतियाँ गिने स्नेह से लिए। इस कथा का आरंभ ऐसा है कि भविष्योत्तर पुराण में वर्णित निवास के चरित को सुनकर शौनकादि मुनियों ने एक दिन प्रातःकाल न, संध्यादि अनुष्ठान पूरा करने के बाद सूत को देखकर इस रूप में कहा.

शौनकादि के प्रश्न- 'हे सूत ! श्री श्रीनिवास के चरितों को जितना भी सुनें मन तृप्त नहीं ता है. इसलिए उनसे संबंधित कथाओं को क्रम से हमें सुनाइए ! मनुष्य वेश में रमापति ने प्रेम से पद्मावती के साथ विवाह करने के बाद लक्ष्मी हरि के वक्ष पर न रहकर रूखकर कोल्हापुर जाने के बाद हरि ने लक्ष्मी का स्मरण किया या निर्दय होकर उसे भूल गए ? आकाशराज की श्री के साथ रहते हुए लक्ष्मी को भूल कर वे सुखी रहे ? फिर लक्ष्मी हरि वक्ष पर लौट कर आयी या नहीं ? हमें स्पष्ट रूप से बताइए.' इसमें उनके पूछने पर सुनकर हँसते हुए वेद व्यास का स्मरण करके सूत इस रूप में कहा. 'हे मुनिगण ! हरि के चरित के बारे में सुनिए. जैसे आपने मुझसे पूछा वैसे ही देवल ने देवदर्शन से पूछा अन देवदर्शन ने उसे बताया था. वह ऐसा है कि देवल विष्णु वेंकटेश्वर के रूप में पद्मावती के साथ ही रहे. किंतु दया से रमादेवी को ही अपने मन में रखते हुए, उसके रूप लावण्य को सदा याद करते हुए वेंकटेश्वर पर सर्व भोगों को भोगने लगे.

वेंकटेश्वर के द्वारा पद्मावती से अपनी चिंता के बारे में बताना- पद्मावती के साथ वेंकटेश्वर सुखी जीवन

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान वेंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान वेंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरुवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं. तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटेश्वर की महिला से साभार लिया जा रहा है. जय गोविंदा, जय गोविंदा. डिजिटल संस्करण

www.vidarbhsrabhiman.com/9423426199

बिताने लगे थे. इस रूप में कुछ दशकों के बीत जाने के बाद श्रीनिवास ने अपने मन में इस रूप में सोचा. 'सिरि से अलग होकर मानव बनकर इतने वर्ष बिताने रहे. अब उससे अलग रहना संभव नहीं है. उसे फिर से वक्ष पर धारण कर लेना चाहिए. किसी भी रीति में प्रार्थना करके स्नेह से उसे यहीं पर लाना चाहिए. ऐसा नहीं कर पाऊंगा तो मेरे सारे कार्य नहीं होंगे. कीर्ति भी नहीं मिलेगी. कुंवर से लिये उधार को भी चुकाने का उपाय भी मन में नहीं आयेगा.' ऐसा सोचते सदा मन में चिंता करते हरि आति बनकर मनुष्य के रूप में विरक्त होते रहे. सब कुछ भूलकर अपने आप में लीन रहते, पद्मावती के मंदिर के सारे भोगों के बारे में भी मन में ही नहीं लाते थे. तब पद्मावती हरि सर्व वैराग्य की इस दशा को देखकर भयभीत हो गयी. एक दिन एकांत के समय हरि से इस रूप में पद्मावती

ने कहा. 'श्री स्वामी ! अब आपके चेहरे में एक चिंता दिखाई पड़ रही है. जो आपके मन में है. इस समय आपके मन में ऐसी चिंता क्यों है ? उसका क्या कारण है ? छिपाये बिना बताइए. कहते हुए हरि के चरणों पर सर रखकर बिना छोड़े अनेक प्रकार से उन्होंने विनती की. इस रूप में बहुत बार विनती करने के बाद सति को अपने हाथों से ऊपर उठा कर हित के साथ पुचकारते हुए पद्मावती को आलिंगन करके अन्योन्य प्रेम के साथ श्रीनिवास ने पद्मावती की ओर देखते हुए इस रूप में कहा. 'सुन हे पद्मावती विचारणा के साथ तुमको बताऊंगा तब मैं अकेला निर्दिधार निर्गुण ब्रह्म के रूप में अनिर अलग हुए किवर मूल प्रधान बनकर नार्यामियान पकार बिका साक्षी सङ्कपचाने मुझे प्राप्त करने से बहुत आलस्य हुआ था. बाद में माहदादि तन्य सब पैदा हुए. उसके सम्मेलन से काम से पण्डित हुई. वह सृष्टि पुरे जगत में फैल गयी. तब मैं उस पुरे



जगत का काल बनण्या तब मैंने ब्रह्मादी को पैदा किया. यह पूरा जगत मुझमें मौन रहाता है. हे मृगणार ! व्याह पुनरा जाणत मुझमें ही दीपित होता रहता है. पार पूरा महान्य मुझे उस ओकांता के कारण प्राप्त हुआ है. अब ऐसी लक्ष्मी के आसप होने से मुझमें बड़ी चिंता सता रही है. अया के रूप में, सिसकार बान्तकर, अचल होकर रहनेवाले मुझे महान सुंदर आकार दिया है. मौ साथ-

साथ सुंदरानांगो बनकर यह रहा. साथ ही गुस्तर कल्याण गुण मुझे दिया. मुझे इस रूप में महान बनाया. उस दिन से चखंड में रहनेवाली चांदनी के रूप में व्यवहार करते हुए लक्ष्मी मेरे साथ की रही है. इस काय में आनंद से रहते समय एक दिन भूयु ने आकर सिर के फेराने वक पर पैर से माला. इससे लक्ष्मी मुझसे रुक्कर मुझे छोड़कर कारपुर चन गयी. मेरी सारी सर्वज्ञता तब लक्ष्मी के

नुकसान का पंचनामा पूरा, मदद का इंतजार

कम बारिश ने किसानों को रूलाया, प्रशासन से मदद की दरकार, त्रस्त हैं राज्य के किसान

विदर्भ स्वाभिमान, 7 अक्तूबर

अमरावती-राज्य में मौसम किसानों को खून के आंसू रूलाने के कारण पिछले तीन वर्ष से किसानों की हालत दयनीय हो गई है. इस साल भी बारिश के दगा देने से किसानों की फसलें खेतों में सूख रही हैं. स्थिति इस कदर दयनीय है कि कई किसानों ने अपनी फसलों को स्वयं ध्वस्त करते हुए अपनी बेबसी और व्यथा का इजहार किया. किसानों की मदद के लिए राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के साथ ही अमरावती जिले में पूर्व सांसद नवनीत राणा, विधायक रवि राणा के साथ ही सभी नेताओं द्वारा लगातार किए गए प्रयासों के चलते पंचनामा पूरा किया गया है. पंचनामा पूरा होने की खबर है. अब अमरावती सहित राज्यभर के किसानों को सरकारी मदद का इंतजार है. सरकार से जल्द से जल्द मदद दिलाने और किसानों को संभालने की मांग किसानों द्वारा की जा रही है.

अमरावती जिला, संभाग के साथ ही राज्य सरकार द्वारा राज्यस्तर पर फसल नुकसान का सर्वेक्षण करने का निर्देश

इस बीच राहतभरी खबर यह है कि जिले में औसत से करीब 40 फीसदी कम बारिश और मानसून की विदाई से कपास व तुअर की खड़ी फसल को बचाने के लिए अण्णर वर्धा से 15 दिनों तक पानी मिलने वाला है. इसका लाभ 8 तहसीलों के 276 गांवों को होगा. इससे किसानों में राहत है. संतरा, कपास और मिर्च की फसल अभी भी संकट में है. किसानों को तत्काल मदद की जरूरत जताई जा रही है.

दिया गया था.

महाराष्ट्र में सूखे और बारिश की कमी से खरीफ फसलों को भारी नुकसान हुआ है. सरकार की ओर से नुकसानग्रस्त क्षेत्रों में पंचनामे की प्रक्रिया तेज की गई है. अमरावती संभाग में पंचनामे का काम राज्य के औसत से आगे चल रहा है, जबकि किसानों की वास्तविक चिंता अब नुकसान के बाद मिलने वाली

आर्थिक सहायता को लेकर है.

पंचनामा केवल कागजी प्रक्रिया बनकर न रह जाए, बल्कि उसके आधार पर किसानों के खातों में जल्द से जल्द मदद पहुंचनी चाहिए. फसल बर्बाद होने से किसान आर्थिक संकट में हैं और अगली फसल की तैयारी भी उनके सामने चुनौती बनी हुई है. सरकार ने राज्य निधि से सहायता देने की बात कही है, वहीं केंद्र की टीम भी नुकसान का आकलन कर रही है. अब किसानों को आशवासन नहीं, प्रत्यक्ष राहत की आवश्यकता है. पंचनामे का काम पूरा होते ही नुकसान की भरपाई की प्रक्रिया शुरू कर किसानों को समयबद्ध आर्थिक सहायता देना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए.

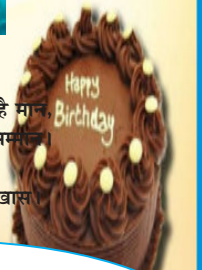
अमरावती जिले के चांदूर बाजार के साथ ही अन्य तहसीलों में भारी नुकसान हुआ है. तहसील कृषि अधिकारी प्रवीण मोहोड के मुताबिक कपास, तुअर, सोयाबीन और संतरा फसल को मौसम के कारण भारी नुकसान हुआ है.

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं



आशीष अरविंदराव ठोंबरे

युवा सोच, मजबूत इरादे और सेवा का है मान आप जैसे मित्र से ही बढ़ता है समाज का समर्थन। हर दिन नई ऊँचाइयों को छूते रहें आप, जन्मदिन पर यही है हमारी शुभकामना खास।



—शुभेच्छुक—

आशीष ठोंबरे मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान अखबार परिवार, अमरावती

नवरात्रि पर मां का दरबार सजेगा 11 अक्तूबर से, भक्तों में उत्साह

विदर्भ स्वाभिमान, 7 अक्तूबर
अमरावती/मुंबई- गणेशोत्सव के बाद अब नवरात्रि उत्सव को लेकर अंबानगरी के साथ ही जिले में अपार उत्साह है. दुर्गा मंडलों के गठन के साथ ही माता रानी के स्वागत के साथ ही सराफा में मंडलों द्वारा भव्य मंडप का निर्माण किया जा रहा है. गणेशोत्सव के बाद त्योहारों का शुरू होने वाला पर्व भारत ही नहीं तो करोड़ों भारतीयों द्वारा मनाए जाने वाले दीपावली के पावन पर्व तक बरकरार रहता है. छाया कॉलोनी में भी शारदोत्सव मंडल द्वारा मां शारदा देवी की स्थापना और दस दिन शारदोत्सव मनाने की तैयारी शुरू हो गई है. वहीं पुलिस तथा मनपा प्रशासन द्वारा इस दौरान किए जाने वाले इंतजामों पर चर्चा की जा रही है. कुल मिलाकर नवरात्रि का उत्सव भी सभी के लिए यादगार करने का प्रयास किया जा रहा है. शारदीय नवरात्रोत्सव को लेकर महाराष्ट्र भर में तैयारियां जोर पकड़ने लगी हैं. इस वर्ष नवरात्रोत्सव 11 से 19 अक्टूबर तक मनाया जाएगा. देवी मंदिरों में स्वच्छता, सजावट और धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारियां शुरू हो गई हैं. मुंबई सहित राज्य के विभिन्न शहरों में गरबा और दांडिया आयोजनों को लेकर भी उत्साह दिखाई दे रहा है. मुंबई में 11 से 20 अक्टूबर तक बड़े गरबा आयोजनों की तैयारियां चल रही हैं. अमरावती शहर तथा जिले में भी नवरात्रि उत्सव भव्य पैमाने पर मनाया जाता है. इतना ही नहीं तो इस दौरान



मां अंबा, एकवीरा और महाकाली माता का दर्शन करने के लिए हजारों भक्त रोज आते हैं. अंबादेवी में भक्तों का मेला लगता है. इसके साथ ही अन्य माता मंदिरों में भी हजारों भक्त दर्शन कर जीवन धन्य करते हैं. कोल्हापुर के प्रसिद्ध महालक्ष्मी मंदिर में नवरात्रोत्सव को देखते हुए मंदिर की विशेष साफ-सफाई शुरू कर दी गई है. प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के साथ देवी के प्रसाद की गुणवत्ता और स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए हैं. वहीं, उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और ध्वनि प्रदूषण के नियमों का पालन कराने के लिए प्रशासन भी सक्रिय है. नवरात्रि के दौरान धार्मिक आस्था के साथ स्वच्छता, सुरक्षा, सामाजिक एकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने की आवश्यकता है.

बहुआयामी, सेवाभावी व्यक्तित्व हैं डॉ. गोविंद कासट



आनंद परिवार के प्रदीप जैन, सुदर्शन गांग के साथ कार्यक्रम में डॉ. गोविंद कासट.

अमरावती। सेवा को परम धर्म मानकर समाज के जलजलमय एवं कल्लोलों से घेरें किए निरंतर कार्य करने वाले डॉ. गोविंद कासट बहुआयामी, विद्वान और सेवाभावी व्यक्तित्व के रूप में अपनी अलग पहचान रखते हैं। उनका जीवन केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी, संवेदनशीलता और मानवता की भावना से विभक्त जुड़ा हुआ है। डॉ. कासट का व्यक्तित्व अनेक क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। शिक्षित वैश्विक विमर्शियों और विचारों का गहन ज्ञान उनकी विद्वत्ता को दर्शाता है। विशेष बात यह है कि ज्ञान और उपलब्धियों के बावजूद उनके स्वभाव में सहजता, निराला और आत्मीयता चट्टक बनी रहती है। समाज के प्रत्येक वर्ग के व्यक्तियों के प्रति सम्मान का भाव उनके व्यक्तित्व को और अधिक प्रभावशाली बनाता है।

डॉ. गोविंद कासट का सम्पन्न माता है कि ईश्वर ने यदि किसी व्यक्ति को ज्ञान, सम्मान, संसाधन और अवसर प्रदान किए हैं, तो उनका उपयोग केवल अपने लिए नहीं, बल्कि समाज के जलजलमय और कमजोर लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए भी होना चाहिए। किसी के जीवन में खेड़ी-खेड़ी खुरी लाने से जो आत्मिक संतोष मिलता है, उसका कोई दूसरा विकल्प नहीं है। इसी विचार को उन्होंने अपने जीवन में अत्यंत स्पष्ट किया है।

विद्वान् बच्चों के प्रति विशेष संवेदनशीलता

डॉ. कासट की सेवाभावी गतिविधियों में विद्वान् बच्चों के प्रति उनका विशेष स्नेह और संवेदनशीलता उल्लेखनीय है। वे प्रतिवर्ष 7 अक्टूबर को अपने जन्मदिन के अवसर पर प्रभात टीवी में विद्वान् बच्चों के लिए प्रेलवारी क्विज का एक निःशुल्क प्रदर्शन आयोजित करते हैं। इस पहल का लाभ हजारों के अंध विद्यार्थी तथा मुक-बधिर विद्यार्थी के विद्यार्थी

जहां आज जन्मदिन व्यक्तिगत उत्सव और दिखावे तक सीमित होते जा रहे हैं, वहीं डॉ. कासट अपने जन्मदिन को विद्वान् बच्चों के खेड़ों पर मुकल्लत लाने का अवसर बनाते हैं। यह पहल उनके संवेदनशील हृदय, सामाजिक प्रतिबद्धता और मानवीय सोच का परिचायक है। प्रेलवारी क्विजों के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, स्पर्ध करने की क्षमता और जीवन के प्रति सकलरत्नक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रयास किया जाता है। साथ ही समाज में विद्वान् बच्चों के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और अपनाने की भावना मजबूत करने में भी यह पहल महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

अपनी सुशिक्षों को दूसरों की सुखियों से जोड़ना ही सच्ची मानवता है।

डॉ. गोविंद कासट का जीवन यह संदेश देता है कि समाजसेवा के लिए केवल बड़े संसाधनों की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि बड़ी सोच, संवेदनशील हृदय और दूसरों के लिए कुछ करने की इच्छा सबसे महत्वपूर्ण होती है। बहुआयामी प्रतिभा, गहन अध्ययन, निरंतर स्वभाव और मानव सेवा की भावना का सुंदर संगम डॉ. गोविंद कासट के व्यक्तित्व में दिखाई देता है। समाज के जलजलमय वर्गों के लिए उनका समर्पण उन्हें एक विश्वव्यापी व्यक्तित्व के रूप में स्थापित करता है। उनका सेवाभावी जीवन समाज के लिए कलरत्नक ऊर्जा और नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें ज्ञान सम्मान, वैश्वीय सुख-समृद्धि एवं निरंतर कलरत्नक कलों की सक्ति प्रदान करें और उनके सेवाभावी का प्रकाश हमी अमल समाज में फैला रहे।

— सुभाष दुबे
संपादक, विदर्भ स्वाभिमान



जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं

7 अक्टूबर को डॉ. गोविंद कासट के जन्मदिन के शुभ अवसर पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार, आनंद परिवार एवं डॉ. गोविंद कासट मित्र मंडल की ओर से उन्हें जन्मदिन की मंगलमय एवं हार्दिक शुभकामनाएं।

बृहदिवसाच्या
हार्दिक
शुभेच्छा..!



जन्मदिवस
हार्दिक
शुभकामनाएं

शुभेच्छुक

सुदर्शन गांग, डॉ. सुभाष गवई, प्रदीप जैन, प्राचार्य संजय शिरभाते, सुभाष दुबे, विवेक सहस्त्रबुद्धे तथा आनंद परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, डॉ. गोविंद कासट मित्र मंडल, अमरावती.

राजपुराहीत
फोटो स्टुडीओ

वेडिंग फोटोग्राफी | इवेंट फोटोग्राफी
इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी
HD व्हिडीओ शूटींग | इंस्टाग्राम रील
कॉफी मग प्रिंटींग | ड्रोन शूट
फोटो अलबम | मोबाईल प्रिंटींग



नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने
शिलांगण रोड, अमरावती
संपर्क : 9028123251

शरीर विदा हुआ, मगर आँखें दे गई उजाले का उपहार

मानवता व राष्ट्र सेवा का स्वर्गीय वसंतभाई लाठियां के नेत्रदान ने दिया संदेश

विदर्भ स्वाभिमान, 7 अक्तूबर
अमरावती-मृत्यु जीवन का अंतिम सत्य है, लेकिन किसी के जाने के बाद भी उसकी आँखों से किसी दूसरे के जीवन में रोशनी आ सकती है. इसी मानवीय भावना को चरितार्थ करते हुए मणिबाई गुजराथी एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष एवं विश्व नेत्रदान दिवस आयोजन समिति के सदस्य सीए नीलेशभाई लाठियां के बड़े भाई, एवं किरण फूड शॉपी के संचालक जीतू भाई के पिताजी स्वर्गीय वसंतभाई बाबुलालजी लाठियां के निधन के पश्चात उनके परिवार ने उनकी आँखों का नेत्रदान करने का भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी निर्णय लिया.

लाठियां परिवार शोकमग्न अवस्था में था. इसी दौरान उनके निकटवर्ती रक्तदान समिति के मोहन लड्डा ने परिवार के समक्ष नेत्रदान का विचार रखा. परिवार के सभी सदस्यों ने सहमति एवं संवेदनशीलता के साथ इस विचार



को स्वीकार किया और स्वर्गीय वसंतभाई की स्मृति को मानवसेवा से जोड़ने का निर्णय लिया.

परिवार की सहमति मिलते ही हरिना फाउंडेशन से संपर्क किया गया. इसके पश्चात हरिना फाउंडेशन के मनोज राठी, रामप्रकाश गिल्ला, विजय देवले एवं दिनेश केने तथा सामान्य स्नातकालय के डॉ. दीपक पवार एवं नीलेश देगले ने लाठियां परिवार के निवास स्थान पर

पहंचकर आवश्यक नेत्रदान प्रक्रिया पूर्ण की. लाठियां परिवार ने अपने प्रियजन को खोने के गहरे दुःख के बीच ऐसा निर्णय लेकर समाज के सामने मानवता की एक प्रेरणादायी मिसाल प्रस्तुत की. यह नेत्रदान इस संदेश को मजबूत करता है कि शोक की सबसे कठिन घड़ी में भी किसी दूसरे के जीवन में उजाला लाने का कार्य किया जा सकता है. स्वर्गीय वसंतभाई बाबुलालजी लाठियां

की आँखों का यह दान उनके जीवन की मानवीय विरासत को आगे बढ़ाने वाला कार्य है. अपने प्रियजन की अंतिम विदाई के बीच परिवार के लिए यह संतोष की बात है कि उनके नेत्र भविष्य में किसी जरूरतमंद के जीवन में रोशनी का माध्यम बन सकते हैं. नेत्रदान प्रक्रिया के पश्चात लाठियां परिवार के हरीश लाठियां, जितेंद्र लाठियां, छबील भाई लाठियां, नीरज, आलोक, हार्दिक, भूषण

, चेतन लाठियां, इलाबेन लाठिया, जयश्रीबेन लाठिया, भावनाबेन लाठिया, वैशालीबेन लाठिया, जैस्मीन लाठिया, सलोनीबेन लाठिया, नम्रताबेन सांगानी, पूनमबेन कोठारी, इन्होंने अश्रुपूर्ण नयनों के साथ स्वर्गीय वसंतभाई लाठियां की आँखें सामान्य स्नातकालय को हस्तांतरित की.

श्रद्धांजलि सभा के पश्चात हरिना द्वारा अवयव दान, नेत्रदान कार्य में सहयोग की अपील भी की गयी नेत्रदान हेतु 9823163331, 9850099403, 9890682727, 79724 73374, नंबर पर संपर्क कर सकते हैं. इस समय परिजन व मित्र परिवार के राजेश जैन, स्वदेश भरसमदाज, अमित तिडके, सखिल भाई, राहुल दीक्षित, भव्य सांगानी, निमिष सांगानी, जयेश कोठारी अनेक मान्यवर उपस्थित थे. उपस्थितों ने लाठियां परिवार के मानवता से परिपूर्ण इस पहल की सराहना की.

श्री बालाजी कैंटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी,
गोपाल नगर,
अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो. ८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

मंगल मंगल

विवाह वस्त्र...

- बनारसी शालु
- लकड़बस्ता
- घाघरा ओढणी
- लाछा
- डिझाईनर साड्या
- सलवार सुट
- कुर्ती
- ९ वारी पातळे

जयस्तंभ चौक, अमरावती. फोन. २५७२६७२, २५६४१७२

विदर्भ स्वाभिमान खटकता सच

जीवन बहुत सुंदर है, इसे निर्मल बनाने का प्रयास अगर किया जाए और बिना किसी स्वार्थ के दुनिया में केवल दस लोग भी हम बना सके और इतने ही लोगों की मदद का प्रयास करें और उनमें से एक-दो को भी बेहतरीन मदद के माध्यम से मानवता की सेवा के लिए प्रेरित कर सके तो जीवन धन्य हो जाता है. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज भी कई लोगों के लिए मानवीय संवेदनाओं का कोई महत्व नहीं होता है. ऐसे लोगों के लिए केवल पैसा ही सब कुछ होता है. आखिर हम किस दौर में गुजर रहे हैं, जहां मृत पिता का अंतिम संस्कार करने से बेटा इंकार कर देता है और पुलिस द्वारा धमकाने के बाद शव को लेने वाली बात करता है. हमारी तमाम पढ़ाई, तमाम ज्ञान कहां चला जाता है. आज भी गंभीरता से मनन करने की जरूरत है कि उच्च शिक्षा जरूरी है, जो हमें करोड़पति बनाए अथवा आदर्श संस्कार जरूरी है, जो हमें अपनों के साथ मानवता से प्यार करना सिखाए.

सुभाषचंद्र जे. दुबे, संपादक www.vidarbhswabhiman.com

श्री आनंद एजेंसीज

सर्व प्रकारचे ऑफिस, होमिटेन्ट, स्कूल, कॉलेज व घरातुती फर्निचर उपलब्ध

उपलब्ध फर्निचर:

- ऑफिस कुर्ची
- होमिटेन्ट
- स्कूल कुर्ची
- कॉलेज कुर्ची
- ऑफिस टेबल
- होमिटेन्ट
- स्कूल टेबल
- कॉलेज टेबल

1985 से विवाहित जोडका सेवा में उत्कृष्ट

जयस्तंभ चौक, अमरावती. फोन. २५७२६७२, २५६४१७२



गुरुवार 8 से 14 अक्तूबर 2026

सप्ताह आपके लिए खुशियाँ भरा रहने वाला है. गणेशोत्सव के साथ अन्य पर्वों की खुशियाँ सदा प्रसन्न करेंगी. वाहन धीरे से चलाएं और नाहक वाद-विवाद से सप्ताह में बचना आपके लिए श्रेयस्कर होगा. कम मेहनत में अधिक लाभ मिलने का योग बन रहा है. अपने काम पर ही ध्यान देना अधिक लाभदायी होगा. दूसरे के फटे में टांग अड़ाने से बचने का प्रयास करें.

मेघ- अपनी टीम को साफ़ तौर पर काम करने के लिए मोटिवेट करने से काम करने की क्षमता बढ़ेगी और काम अधूरा रहने की संभावना कम होगी. घर पर आपकी मौजूदगी आपके बच्चों के साथ-साथ परिवार को भी सुख और कॉन्फिडेंस देगी.

वृषभ- आपका खुशमिजाज और समझदार स्वभाव घर में शांति बनाए रखने में मदद करेगा. इन्वेस्टमेंट के कई अच्छे ऑप्शन सामने आ सकते हैं, लेकिन कोई भी फैसला लेने से पहले उसके फायदे और....

मिथुन- अपने जूनियर्स और क्लर्क की हिम्मत बढ़ाने से उनकी काबिलियत बढ़ेगी और आप पर उनका भरोसा और मजबूत होगा. अपने बच्चों के साथ समय बिताने से आप ज़्यादा खुश रहेंगे और अकेलापन कम महसूस करेंगे.

कर्क- आपको काम की जगह पर कोई जिम्मेदार पद या ज़रूरी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा. बिना जल्दबाज़ी के अपने परिवार के साथ समय बिताने से आपके रिश्तों में प्यार और अपनापन आएगा.

सिंह- काम और पढ़ाई में आपकी तरक्की अच्छी रहेगी. कोई भी चीज़ आपकी मेहनत और पक्के इरादों को आसानी से कम नहीं कर पाएगी. आप घर पर कुछ नया और दिलचस्प कर पाएंगे. जीवन में खुशियाँ बांटने का सदा भाव रखना, सब अच्छा होगा.

कन्या- इस हफ़्ते आपकी काबिलियत साफ़ दिखेगी, जिससे आपके करियर में नए मौकों मिल सकते हैं. घर पर अपनी राय बहुत ज़्यादा थोपने की कोशिश करने से बहस हो सकती है, इसलिए दूसरे....

तला- अच्छी सेहत आपको पूरे हफ़्ते एनर्जेटिक और पॉज़िटिव रखेगी. आपकी काबिलियत आपका कॉन्फिडेंस बढ़ाएगी और नए मौकों का रास्ता बनाएगी. घर

पर बहुत ज़्यादा सख़्त या बेसब्र....

वृश्चिक- काम पर नए प्रोजेक्ट या जिम्मेदारियाँ आपको काबिलियत और क्रिएटिविटी दिखाने का अच्छा मौका देंगी. परिवार में बातचीत, प्यार और तालमेल से खुशियाँ बढ़ेंगी. आपकी मजबूत फ़ाइनैशियल स्थिति....

धनु- कड़ी मेहनत और पॉज़िटिव सोच से आपके करियर में सफलता के चांस बढ़ेंगे. घर पर इमोशनल प्रॉब्लम को समझदारी और समझदारी से हेंडल किया जा सकता है ताकि परिवार में शांति बनी रहे. इन्वेस्टमेंट के फ़ैसले सोच-समझकर लेना लाभदायी रहेगा.

मकर- काम की जगह पर एक ऑर्गनाइज़्ड, फेयर और सपोर्टिव माहौल आपको अपनी पूरी क्षमता से काम करने के लिए इन्सायर करेगा. अपनी चिंताओं और भावनाओं को अपने परिवार के साथ खुलकर बताने से रिश्ते बेहतर हो सकेंगे.

कुंभ- अपनी टीम के सदस्यों के छोटे से छोटे योगदान की भी सराहना करने से आपसी विश्वास बढ़ेगा और सभी का मनोबल बढ़ेगा. घर में बदलावों के साथ तालमेल बिठाने में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन सहयोग की भावना रखने से सब कुछ संभव होगा.

मीन- सहकर्मियों से मिले सपोर्ट और अच्छे सुझाव टीमवर्क को मजबूत करेंगे और काम में तेज़ी लाएंगे. निजी मामलों को समझने और सुलझाने में आपको अपने परिवार से पूरा सपोर्ट मिलेगा.

आपका सप्ताह शुभ हो. विदर्भ स्वाभिमान यही कामना परमात्मा के चरणों में करता है.



ज़लसंकट गहराने के आसार

पेज 1 से जारी- लोगों की बढ़ती संख्या के कारण पानी की मांग लगातार बढ़ रही है. हालांकि, यह देखा जा रहा है कि पानी की सप्लाई की क्षमता को उसकी तुलना में नहीं बढ़ाया गया है. उल्टे में पिछले साल से पानी की समस्या आ रही है, और लोगों का कहना है कि इस साल यह और भी बदतर हो गई है. उल्टा में बड़े पैमाने पर नई बिल्डिंग बन रही हैं, और लोग कई हाउसिंग प्रोजेक्ट में जा रहे हैं. इसलिए, भविष्य में पानी की मांग और बढ़ने की संभावना है. निवासियों को उर है कि भविष्य में स्थिति और भी गंभीर हो जाएगी क्योंकि अभी पानी की सप्लाई पहले से ही काफी नहीं है.

अमरावती में फिलहाल चिंता नहीं

अमरावती शहर में फिलहाल जलसंकट का खतरा नजर नहीं आ रहा है लेकिन जिस तरह से बारिश नहीं हुई है, उसके चलते आगामी समय में पानी का संकट गहरा सकता है. इसके महेनजर शहर में आगामी समय में जलसंकट गहराने की संभावना जताई जा रही है. शहर को अप्पर वर्धा डैम से जलापूर्ति की जाती है. अमरावती की आबादी तेज़ी से बढ़ रही है, इसके मुताबिक पानी की जरूरत भी तेज़ी से बढ़ रही है. बारिश कम होने से पानी की जरूरत अगर बढ़ती है तो दो दिन के अंतराल पर अमरावतीवासियों को जलापूर्ति की जा सकेगी. ऐसे में पानी का सही उपयोग करने तथा पानी व्यर्थ नहीं जाने देने की जिम्मेदारी नागरिकों की भी है.

संभाग में भी जलसंकट की स्थिति

कम बारिश का असर केवल मानव पर नहीं बल्कि खेती के माध्यम से किसानों, तालाब सूखने के कारण वन्यप्राणियों तथा अन्यो पर भी पड़ता है. अमरावती संभाग में कई तहसीलों में जलसंकट की स्थिति से इंकार नहीं किया जा सकता है. आदिवासी बहुल मेलघाट, दर्यापुर, अचलपुर के साथ ही अन्य तहसीलों को ग्रामीण क्षेत्रों में भी जलसंकट की स्थिति पैदा हुई है. गर्मी के दिनों में यह गहराने की संभावना जताई जा रही है. बिगड़ता मौसम का माहौल कई समस्याएं पैदा करने वाला है.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सी. विष्णा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रद्धांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटसचे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर,
नेहरू
मैदान, अमरावती. फोन
2564125, 2674048

विदर्भ स्वाभिमान
सदस्य बनें

विदर्भ स्वाभिमान संस्कारों का प्रोत्साहित करने वाला अखबार है. बच्चों के लिए यह ज्ञान का भंडार है. इसकी सदस्यता का अभियान चल रहा है. ऐसे में सदस्य बनने के इच्छुक संपर्क करें. मार्केटिंग करने तथा पेपर बांटने के लिए लड़के चाहिए.

संपर्क

विदर्भ स्वाभिमान मुख्यालय,
छाया कॉलोनी, अकोली
रोड, अमरावती.
मो. 9423426199



गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबें, रजिस्टर, नोटबुक, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें, बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

—संपर्क—

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

डॉ. गोविंदभाऊ कासट : सेवा, साहित्य और संवेदनशीलता का सहस्रचंद्र दर्शन समारोह



कछ लोग जीवन जीते हैं, कछ लोग जीवन को गढ़ते हैं, और कछ लोग अपने जीवन से असंख्य लोगों के जीवन को अर्थ देते हैं, ऐसे ही विरले, प्रेरणादायी और मानवीय संवेदनाओं से समृद्ध व्यक्तित्व है डॉ. गोविंदभाऊ कासट.

अमरावती के सामाजिक, साहित्यिक और सेवाभावी क्षेत्र में दशकों से सक्रिय डॉ. गोविंदभाऊ का 81वां जन्मदिन तथा 7 अक्टूबर 2026 को आयोजित सहस्रचंद्र दर्शन समारोह केवल आयु का उत्सव नहीं, बल्कि उनके साहित्यिक योगदान, सेवाभाव और मानवीय संबंधों के प्रति समर्पित जीवन का अभिनंदन है. गोविंदभाऊ ने अपने जीवन में लगभग 197 छोटी-बड़ी पुस्तकों का लेखन किया है. उनकी लेखनी में समाज के प्रति संवेदनशील दृष्टि और मानवीय सरोकार स्पष्ट दिखाई देते हैं. साहित्य उनके लिए केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं,

बल्कि समाज से संवाद और सकारात्मक परिवर्तन का साधन रहा है.

उनके सुंदर हस्तलेख की भी अपनी विशिष्ट पहचान रही है. हजारों पोस्टकार्ड लिखकर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों का सम्मान किया. अपने पुत्र के विवाह के हजारों निमंत्रण-पत्र भी उन्होंने स्वयं लिखकर भेजे. आज के डिजिटल युग में उनका प्रत्येक हस्तलिखित पत्र समय, सम्मान और आत्मीयता का प्रतीक था.

गोविंदभाऊ की सेवाभावना व्यापक और संवेदनशील रही है. उन्होंने हजारों महिलाओं को सिलाई मशीनें, छोटे व्यवसाय के लिए हाथगाड़ियाँ, दिव्यांगजनों को तीनपहिया साईकिलें तथा वृद्धाश्रमों को आवश्यक सहायता प्रदान की. अंधजनों, दिव्यांगों, मूक-बधिरों, कुष्ठरोगियों, खिलाड़ियों, साहित्यकारों और समाज के उपेक्षित वर्गों के प्रति उनका विशेष समर्पण रहा है.

उनकी सेवा में दया से अधिक सम्मान और स्वावलंबन का भाव है. वे सहायता को उपकार नहीं, बल्कि किसी व्यक्ति को पुनः अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर मानते हैं.

पुराने समाचार-पत्रों की रद्दी एकत्र कर उससे प्राप्त राशि को सामाजिक

कार्यों में लगाकर उन्होंने वृद्धि-समृद्धि जैसी अभिनव संकल्पना को साकार किया. यह पहल उनकी रचनात्मकता और सामाजिक चेतना का परिचायक है. तपोवन तथा आनंदवन, वरौरा से उनका आत्मीय संबंध उनके सेवाभावी जीवन का महत्वपूर्ण अध्याय है. पद्मश्री दाजीसाहेब पटवर्धन ने उन्हें मानसपुत्र माना, जबकि बाबा आमटे ने भी उन्हें पुत्रवत स्नेह दिया. एच.व्ही.पी.एम. के पद्मश्री प्रभाकररावजी वैद्य का स्नेह और मार्गदर्शन उन्हें निरंतर मिलता रहा. आदरणीय कमलताई गवई उन्हें स्नेहपूर्वक अपना छोटा बच्चा कहती हैं. ये संबंध उनके व्यक्तित्व की मानवीय ऊँचाई को दर्शाते हैं.

समयनिष्ठा और कार्यकर्ताओं का सम्मान—गोविंदभाऊ समय के अत्यंत पाबंद हैं. वे प्रत्येक कार्यक्रम को निर्धारित समय में पूरा करने पर विशेष जोर देते हैं. उनके लिए समय केवल घड़ी की सूई नहीं, बल्कि समाज के लिए उपलब्ध अमूल्य अवसर है. नववर्ष के प्रथम दिन तपोवन में नववर्ष की प्रभात मनाना और दीपावली पर वंचित बंधुओं को फराल वितरित करना उनकी जीवनदृष्टि को व्यक्त करता है अपनी खुशी दूसरों के साथ बाँटना ही सच्चा उत्सव है.

उनका सबसे प्रेरणादायी उपक्रम है एक हजार सामाजिक कार्यकर्ताओं, खिलाड़ियों, साहित्यकारों और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय

कार्य करने वालों का सम्मान तथा उनके कार्य का पुस्तकरूप में दस्तावेजीकरण.

उन्होंने डॉ. गोविंद कासट मित्रमंडल की स्थापना की और अनेक मित्रों को इस सेवायज्ञ से जोड़ा. वे प्रतिदिन लगभग 17 समाचार-पत्र पढ़ते हैं, मित्रों के कार्यों से संबंधित समाचारों की कतरने संकलित करते हैं और उन्हें संबंधित व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक भेंट करते हैं. सुदर्शन जैन को अब तक लगभग 3,000 समाचार-कतरनों वाली 30 फाइलें उन्होंने दी हैं. आनंदवन को लगभग 1,000 पत्र भेजने की उनकी परंपरा भी उनके निरंतर सेवाभाव की साक्षी है.

इन्सानियत से जोड़ने वाला जीवन—गोविंदभाऊ का जीवन सिखाता है कि समाजसेवा केवल बड़े प्रकल्पों का नाम नहीं है. किसी के कार्य की प्रशंसा करना, उसे प्रोत्साहित करना, उसकी उपलब्धि को समाज तक पहुँचाना और जरूरतमंद को सम्मान के साथ खड़ा करना भी उतनी ही बड़ी सेवा है.

उनके व्यापक कार्य में परिवार, मित्रों और समाज का महत्वपूर्ण सहयोग रहा है. इसलिए सहस्रचंद्र दर्शन समारोह गोविंदभाऊ के साथ-साथ उनके परिवार, मित्रपरिवार और सहयोगियों का भी सम्मान है.

गोविंदभाऊ ने हजारों चंद्र देखे होंगे

लेकिन उससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने हजारों जीवनों में आशा, आत्मविश्वास और सम्मान का प्रकाश जगाया है. उनकी लेखनी चलती रहे, सेवा का प्रवाह बना रहे और उनकी इन्सानियत की रोशनी नई पीढ़ियों तक पहुँचती रहे यही मंगल कामना है.

81 वर्ष उनके जीवन का पड़ाव नहीं, बल्कि अनुभव, साहित्य और सेवा के नए पर्व का प्रारंभ है.

सहस्रचंद्र दर्शन के इस मंगल अवसर पर आदरणीय डॉ. गोविंदभाऊ कासट को 81वें जन्मदिन की हार्दिक एवं मंगलमय शुभकामनाएँ!

दीर्घायु हों. उत्तम स्वास्थ्य लाभ. सेवा की ऊर्जा अखंड बनी रहे.

आपके जीवन का चंद्रप्रकाश समाज को यूँ ही प्रकाशित करता रहे.



सुदर्शन जैन

आनंद परिवार, बडनोरा रेल्वे
9422156523

हमारे यहां

हिंदी, मराठी, अंग्रेजी में

प्रेस नोट, जन्मदिन के लेख,

विभिन्न विभागों के पत्र व्यवहार, इसार चिट्ठी सहित साप्ताहिक तथा दैनिक समाचार पत्र के संपादकीय देने का कार्य समुचित दर पर किया जाता है.

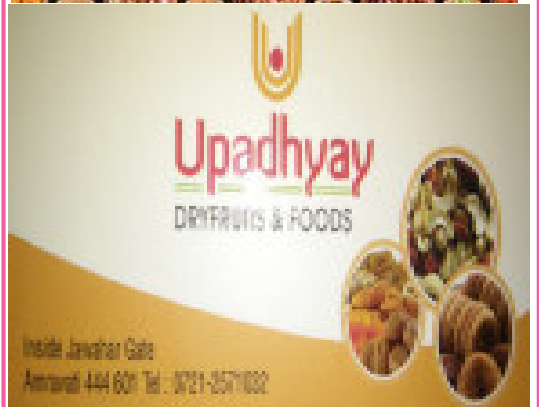
- ✓ प्रेस नोट
- ✓ जन्मदिन के लेख
- ✓ विभिन्न विभागों के पत्र व्यवहार
- ✓ इसार चिट्ठी
- ✓ साप्ताहिक व दैनिक समाचार पत्र के संपादकीय



संपर्क

9423426199 / 8208407139

खुशियों के हर प्रकार के रंग उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुड के



Inside Jawahar Gate
Amravati 444 601 Tel : 9721-2571030